

प्रेस विज्ञप्ति

डीईएस, जामिया द्वारा एपीए 7th स्टाइल मैनुस्क्रिप्ट राइटिंग पर तीन दिवसीय राइटर्स क्लिनिक आयोजित

नई दिल्ली, 22 मई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षा संकाय के शैक्षिक अध्ययन विभाग ने ह्यूमन वेल्फेयर फाउंडेशन (एचडब्ल्यूएफ) के तहत प्रशिक्षण और शैक्षणिक मार्गदर्शन केंद्र (सीटीएजी) के सहयोग से कल स्कूल ऑफ एजुकेशन बिल्डिंग के सम्मेलन कक्ष में तीन दिवसीय नेशनल इंटेन्सिव राइटर्स क्लिनिक (एनआईडब्ल्यूसी) का उद्घाटन किया। क्लिनिक का उद्देश्य डॉक्टरेट उम्मीदवारों और शुरुआती करियर शोधकर्ताओं को आवश्यक अकादमिक लेखन कौशल से लैस करना है, जिसमें एपीए 7वें संस्करण के दिशानिर्देशों पर विशेष जोर दिया गया है। इसे 30 प्रतिभागियों के एक केंद्रित समूह के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि व्यक्तिगत सलाह और सार्थक और आकर्षक बातचीत सुनिश्चित की जा सके।

“एपीए 7th स्टाइल मैनुस्क्रिप्ट राइटिंग पर व्यावहारिक अनुभव” शीर्षक वाली कार्यशाला, शोधार्थियों की उत्कृष्टता, प्रकाशन नैतिकता और अकादमिक दृश्यता को बढ़ावा देने के लिए विभाग की व्यापक पहल का हिस्सा है। सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक जुड़ाव के एक अनूठे मिश्रण के साथ, क्लिनिक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि प्रतिभागी न केवल एपीए सम्मेलनों से परिचित हों, बल्कि वास्तविक समय के लेखन परिदृश्यों में उन्हें उपयोग करने में भी आश्वस्त हों।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत एम.एड. के छात्र श्री ताज मुहम्मद द्वारा किरात के पाठ से हुई। विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. काजी फिरदौसी इस्लाम ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उभरते शोधार्थियों के लिए अकादमिक लेखन को समझने में ऐसी कार्यशालाओं की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. समीर बाबू एम ने उच्च शिक्षा में गहन और अभ्यास-आधारित शिक्षण वातावरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए कार्यक्रम के लिए वैचारिक आधार प्रदान किया। सीटीएजी की समन्वयक डॉ. सुल्ताना परवीन ने हाशिए के समुदायों के लिए शैक्षिक पहुँच को बढ़ावा देने के केंद्र के मिशन का परिचय दिया। शिक्षा संकाय की डीन प्रोफेसर सारा बेगम ने प्रतिभागियों और आयोजकों को शुभकामनाएं और प्रोत्साहन संदेश दिया।

एचडब्ल्यूएफ के सीईओ श्री नौफल पीके ने शोध मेंटरशिप तक एक्सेस को लोकतांत्रिक बनाने में संस्थागत और फाउंडेशन-आधारित सहयोग के महत्व को रेखांकित करते हुए एक विशेष वक्तव्य दिया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कौशल किशोर ने अध्यक्षीय टिप्पणी प्रस्तुत की, जिसमें शोधार्थियों से अकादमिक लेखन को शोध उत्कृष्टता के लिए एक कठोर और नैतिक अभ्यास के रूप में मानने का आह्वान किया। सहायक प्रोफेसर डॉ. ज़ेबा तबस्सुम ने कार्यशाला के कार्यक्रम का अवलोकन प्रदान किया और पीएचडी शोधार्थी श्री वैभव वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र का समापन किया।

तीन दिनों के दौरान, कार्यशाला में विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले सत्र और व्यावहारिक गतिविधियाँ शामिल हैं, जिनमें संपादन अभ्यास, संदर्भ सूची निर्माण और उद्धरण सॉफ्टवेयर का उपयोग शामिल है। आईआईटी दिल्ली के डॉ. नबी हसन, मानव विकास संस्थान के डॉ. बलवंत सिंह मेहता, दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. जीजो वर्गीस और जेएमआई के अपने शोधार्थियों जैसे डॉ. सज्जाद अहमद, डॉ. खालिद रजा और डॉ. गाजी शाहनवाज जैसे प्रमुख शिक्षाविदों द्वारा सत्रों का संचालन किया जा रहा है।

ये सत्र अकादमिक लेखन उपकरण, प्रकाशन नैतिकता, साहित्य समीक्षा संरचना, पूर्वाग्रह मुक्त भाषा और उद्धरण प्रथाओं जैसे आवश्यक विषयों की एक श्रृंखला को कवर करने का प्रयास करते हैं।

सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों का मूल्यांकन उपस्थिति, कार्य पूर्णता और व्यावहारिक मूल्यांकन में प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। आयोजन समिति में डीईएस के वरिष्ठ संकाय और विद्वान शामिल हैं, जिसमें प्रो. सारा बेगम, प्रो. कौशल किशोर और श्री नौफल पीके संयोजक के रूप में कार्य कर रहे हैं, और डॉ. काजी फिरदौसी इस्लाम, डॉ. समीर बाबू एम, डॉ. ज़ेबा तबस्सुम, डॉ. सुल्ताना परवीन और श्री वैभव वर्मा संगठनात्मक प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। समर्पित पीएचडी विद्वानों की एक टीम रसद, दस्तावेज़ीकरण, मीडिया और अन्य प्रमुख कार्यों के लिए जिम्मेदार विभिन्न उपसमितियों का प्रबंधन करती है।

यह कार्यशाला शिक्षा संकाय और शैक्षिक अध्ययन विभाग की उच्च गुणवत्ता वाले, समावेशी शोध प्रशिक्षण को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। NIWC जैसी पहलों के माध्यम से, जामिया मिल्लिया इस्लामिया अकादमिक सशक्तिकरण, समानता और उत्कृष्टता के अपने दृष्टिकोण को मजबूत करना जारी रखता है। विभाग इस राइटर्स क्लिनिक को एक आवर्ती शैक्षणिक विशेषता बनाने की इच्छा रखता है, जो प्रभावशाली और नैतिक शोध की खोज में देशभर के शोधार्थियों का सहयोग कर सके।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया